an>

Title: Regarding increasing numbers of suicides by farmers in Marathwada-Vidarbha region of Maharashtra.

श्री विनायक भाऊराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं महाराÂष्ट्र के विदर्भ, मराठवाड़ा, उत्तर महाराष्ट्र के कई किसानों की एक गंभीर समस्या इस सभा गृह में शून्य काल के माध्यम से रखना चाहता हूं। महाराष्ट्र के किसानों की हालत बहुत गंभीर हो चुकी है। फल उत्पादक किसानों, धान उत्पादक किसानों को इतनी परेशानी सहन करनी पड़ रही है कि पिछले एक महीने में कम से कम 1200 किसानों ने आत्महत्या कर ली। पिछले दो वर्षों में महाराष्ट्र में 9000 किसानों ने खुदकुशी की। इतना ही नहीं, 8 मार्च को महाराष्Âट्र के 3 किसान मंत्रालय में आए और मुख्य मंत्री महोदय के वहां उन्होंने खुदकुशी करने का प्रयास किया। गंभीरता इतनी है कि किसानों की समस्या बढ़ती जा रही है। उनका फल उत्पादन हो चुका है, लेकिन उसे बाजार में कोई नहीं ले रहा है।

मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि माननीय पंथ प्रधान ने उत्तर प्रदेश में इलैक्शन में किसानों को कर्ज मुक्त करने का वचन दिया है। महाराष्ट्र में देवेन्द्र जी की सरकार है। उनके माध्यम से महाराष्ट्र के किसानों की समस्या का हल निकालने की कोशिश इसी अधिवेशन में होनी चाहिए। केन्द्र सरकार को ऐसे निर्देश राज्य सरकार को देने चाहिए, मैं यह विनती करता हूं।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Shrirang Appa Barne,

Shri Rahul Shewale,

Kunwar Pushpendra Singh Chandel,

Shri Prataprao Jadhav and

Shri Chandrakant Khaire are permitted to associate with the issue raised by Shri Vinayak Bhaurao Raut.

*m07

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इसी मुद्दे पर आदरणीय प्रधान मंत्री जी और आदरणीय कृषि मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। महाराष्ट्र में लगातार चार वर्षों से सूखा पड़ रहा है। गत वर्ष जुलाई-अगस्त में बरसात होने के कारण सूखे से कुछ राहत मिली। लेकिन सूखे के बाद जब किसानों की फसल की पैदावार हुई और उन्हें उसका उचित मूल्य नहीं मिल पाया, तो किसानों को दुबारा आत्महत्या करनी पड़ी। अभी विनायक राऊत जी ने भी यही कहा। वर्ष 2015 में हमारे मराठवाड़ा में 1125 किसानों ने आत्महत्या की। जनवरी-फरवरी के महीने में 262 किसानों ने आत्महत्या की।

मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करता हूं कि जब किसानों की आत्महत्या लगातार हो रही है तो केन्द्र सरकार और राज्य सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। किसानों की स्थिति खराब है। उनकी आत्महत्या रोकने के लिए उनके बारे में गंभीरता से विचार करें और उन्हें कर्ज मुक्त करें, यह बहुत महत्वपूर्ण है।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

*m08 Shri Shrirang Appa Barne,

*m09 Shri Rahul Shewale,

*m10 Shri Vinayak Bhaurao Raut,

*m11 Shri Prataprao Jadhav and

*m12 Shri Bhairon Prasad Mishra are permitted to associate with the issue raised by Shri Chandrakant Khaire.